SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

# वट वृक्ष

# क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता

## सूचनापत्र: जनवरी 2026 से मार्च 2026

# महानिदेशक की कलम से

***प्रिय पाठक,***

*मुझे वित्तीय वर्ष 2025–26 के अंतिम तिमाही के सूचनापत्र "वट वृक्ष" के अंतिम संस्करण को प्रस्तुत करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। इस अंक के मुखपृष्ठ पर प्रतिष्ठित कलकत्ता उच्च न्यायालय को दर्शाया गया है, जो कोलकाता की समृद्ध न्यायिक और स्थापत्य विरासत का प्रतीक है।*

*भारत का सबसे पुराना उच्च न्यायालय, कलकत्ता उच्च न्यायालय की स्थापना 1 जुलाई 1862 को हुई थी। पहले इसे "हाई कोर्ट ऑफ ज्यूडिकेचर एट फोर्ट विलियम" के नाम से जाना जाता था। इसका अधिकार क्षेत्र पश्चिम बंगाल राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तक विस्तृत है। 1872 में निर्मित उच्च न्यायालय का यह भवन नव-गोथिक स्थापत्य शैली का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, वॉल्टर ग्रैनविले द्वारा डिजाइन किया गया यह भवन बेल्जियम के 'क्लॉथ हॉल, यप्रेस' से प्रेरित है।*

*इस तिमाही के दौरान, संस्थान ने डेटा-आधारित लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय कार्यशाला, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र हेतु जीआईएस प्रशिक्षण कार्यक्रम, फ्लाई प्रो प्रशिक्षण कार्यक्रम, परिवहन क्षेत्र पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, और पर्यवेक्षकों तथा सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियो के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण के साथ-साथ विभिन्न सामान्य और आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया।*

*इस समाचार पत्र के माध्यम से हम अपने पाठकों को क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं, कोलकाता के प्रदर्शन और उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रशिक्षण सामग्री और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बेहतर बनाने हेतु आपका सहयोग आवश्यक है। प्रशिक्षण सामग्री में सुधार/संशोधन हेतु हम आपके विचारों एवं सुझावों का स्वागत करते हैं।आप rtikolkata@cag.gov.in साइट के जरिए हमसे जुड़ सकते हैं।*

**मनीष कुमार**

**महानिदेशक, क्षे.क्ष.नि.व.ज्ञा.सं,कोलकाता**

# विषय-सूची


| क्रम सं. | विवरण | पृष्ठ |
|---|---|---|
| 1. | क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक | 4 |
| 2. | हिंदी पत्रिका का विमोचन | 5 |
| 3. | हिंदी कार्यशाला | 5 |
| 4. | डेटा-आधारित लेखापरीक्षा पर कार्यशाला | 6 |
| 5. | जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 10 |
| 6. | उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम। | 12 |
| 7. | "परिवहन क्षेत्र :बढ़ते रुझानो, वित्तीय प्रबंधन एवं लेखापरीक्षा परिप्रेक्ष्य" विषय पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 14 |
| 8. | सी.एम.आई.-फ्लाई प्रोफेशनल एवं सीनियर प्रोफेशनल कार्यक्रम | 16 |
| 9. | पर्यवेक्षकों और डी.आर.ए.ए.ओ/डी.पी.ए.ए.ओ के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम | 19 |
| 10. | नाइम (KNIME) और टैबलो (Tableau) के माध्यम से डेटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण | 23 |
| 11. | डेटाबेस अवधारणाओं और एसक्यूएल (SQL) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम | 24 |
| 12. | भारतीय लेखा मानकों पर सहयोगात्मक संगोष्ठी | 26 |
| 13. | तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम | 29 |
| 14. | इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढ़ाचा उपलब्ध कराया गया | 30 |
| 15. | एस.टी.एम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ | 30 |
| 16. | उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि. के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया | 31 |
| 17. | संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत), फ्रीलांस/विशेषज्ञ संकाय सदस्य | 34 |
| 18. | इन-हाउस संकाय सदस्य | 36 |
| 19. | प्रश्नोत्तरी एवं प्रश्नोत्तरी के उत्तर | 37 |

# क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता में 9 फरवरी 2026 को वार्षिक क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण से संबंधित प्रमुख प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता सुश्री कीर्ति तिवारी, उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (पूर्व क्षेत्र) ने की।

प्रधान निदेशक ने अध्यक्ष महोदय एवं क्षेत्रीय सलाहकार समिति के सभी सदस्यों का हार्दिक स्वागत किया और कार्यसूची के विषयों पर चर्चा प्रारम्भ की। बैठक की प्रमुख उपलब्धियों में सामान्य प्रशिक्षण में 98.53% और आईटी प्रशिक्षण में 100% स्लॉट उपयोग शामिल रहा।

बैठक के दौरान, वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। कुल 27 सामान्य पाठ्यक्रम (जिसमें 5 अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल हैं) और 15 आईएस पाठ्यक्रम प्रस्तावित किए गए हैं। संस्थान ने "सेवा-निवृत्ति के बाद के जीवन में संक्रमण" शीर्षक से एक नया प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू किया है (जो सेवानिवृत्त अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए है)।

आगामी प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर विचार-विमर्श के दौरान, आरएसी सदस्यों ने भविष्य के विषयों के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए। उन्होंने इन विषयों की प्रासंगिकता और संभावित प्रभाव पर विशेष विचार-विमर्श किया।

सुश्री कीर्ति तिवारी, उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (पूर्व क्षेत्र) की अध्यक्षता में ऑफलाइन माध्यम में आयोजित क्षेत्रीय सलाहकार समिति की बैठक की झलकियाँ, जिसमें प्रतिभागियों ने ऑनलाइन माध्यम से भी सहभागिता की

## हिंदी पत्रिका का विमोचन

संस्थान प्रतिवर्ष अपनी वार्षिक हिंदी पत्रिका 'ज्ञान अमृत' का प्रकाशन करता है। क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान,कोलकाता के प्रधान निदेशक महोदया ने 23 मार्च 2026 को ज्ञान अमृत पत्रिका के 5वां अंक का विमोचन किया। इस पत्रिका में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं उनके परिवार के सदस्यों द्वारा रचित मौलिक कहानियाँ, कविताएँ, चित्रकला तथा अन्य सृजनात्मक कृतियाँ सम्मिलित हैं।

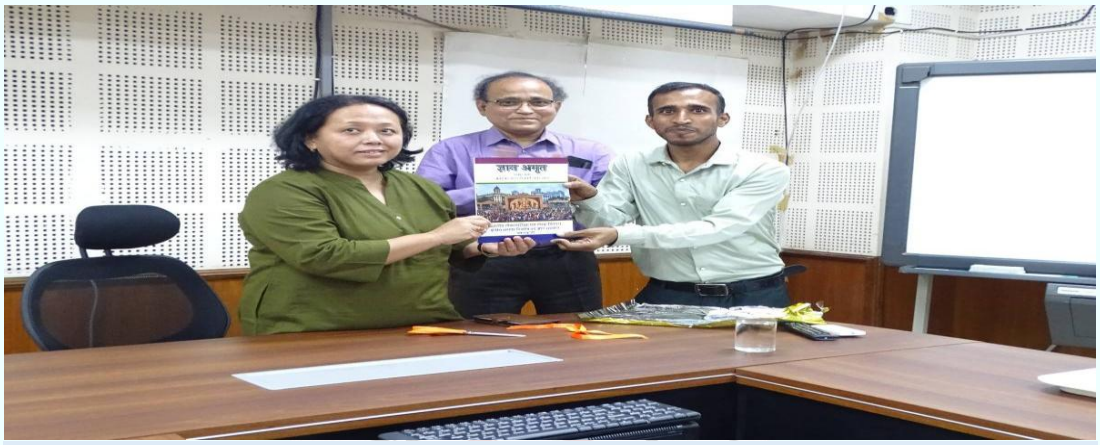

सुश्री निर्मलामती माइस्नाम, प्रधान निदेशक 'ज्ञान अमृत' पत्रिका के पांचवें संस्करण का विमोचन करती हुई।

## हिंदी कार्यशाला

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सरकारी कर्मचारियों को हिंदी में कार्य करने में आने वाली कठिनाइयों के समाधान हेतु हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है, जिससे कर्मचारी अपनी झिझक दूर कर सकें और आधिकारिक कार्यों के लिए हिंदी का उपयोग करने में उनका आत्मविश्वास बढ़ सके। इन कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य आधिकारिक कामकाज में हिंदी के प्रयोग को प्रोत्साहित करना है।

संस्थान में 30 मार्च 2026 को एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें एक वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी और दो सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों ने भाग लिया।

# डेटा-आधारित लेखापरीक्षा पर कार्यशाला

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता में 27 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक पूर्वी क्षेत्र के कार्यालयों के लिए डेटा-आधारित लेखापरीक्षा पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला में वरिष्ठ नेतृत्व की सक्रिय सहभागिता रही। श्री राज कुमार-I, प्रधान महालेखाकार; श्री प्रवींद्र यादव, प्रधान महालेखाकार; श्री आशुतोष शर्मा, प्रधान महालेखाकार; सुश्री स्वाति पांडे, प्रधान निदेशक (कार्मिक, एसएमयू एवं समन्वय); श्री विश्वनाथ सिंह जादौन, प्रधान निदेशक एवं भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक के सचिव एवं अन्य समूह अधिकारियों की सहभागिता रही, जिनमें से कुछ के साथ वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी और सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी भी थे, उन्होंने कार्यशाला के दौरान सत्रों का संचालन किया। सुश्री कीर्ति तिवारी, उप नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (पूर्वी क्षेत्र) और सुश्री स्मृति, प्रधान निदेशक कुछ सत्रों के दौरान उपस्थित रहीं।

प्रधान निदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता सुश्री कीर्ति तिवारी, डी.ए.आई (पूर्वी क्षेत्र) का स्वागत करते हुए।

कार्यशाला के अपने दौरे के दौरान सुश्री कीर्ति तिवारी, डी.ए.आई. (पूर्वी क्षेत्र)

इन सत्रों में समकालीन विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें अनुपालन एवं लेन-देन लेखापरीक्षा में रणनीतिक बदलाव, सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं की डेटा-आधारित लेखापरीक्षा, दूरस्थ एवं हाइब्रिड कार्य लेखापरीक्षा में डेटा-आधारित दृष्टिकोण तथा एआई/एमएल अनुप्रयोगों के प्रदर्शन, जटिल दस्तावेजों को संरचित डेटासेट में परिवर्तित करने हेतु ओसीआर प्रौद्योगिकी का उपयोग, तथा डेटा-आधारित स्थापना लेखापरीक्षा शामिल थे।

इस कार्यशाला में पूर्वी क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों से कुल 60 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें 12 समूह अधिकारी तथा 48 वरिष्ठ एवं सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी शामिल थे। सत्र अत्यंत संवादात्मक रहे तथा लाइव केस स्टडीज (सजीव मामलों के अध्ययन) के माध्यम से इन्हें और भी समृद्ध बनाया गया, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए एक व्यावहारिक और प्रभावशाली शिक्षण का अनुभव सुनिश्चित हुआ। इस कार्यशाला की व्यापक रूप से सराहना की गई और इसे अत्यंत सफल माना गया।

कार्यशाला में अपने सत्र के दौरान सुश्री स्वाति पांडेय, प्रधान निदेशक (कार्मिक, एसएमयू एवं समन्वय)

कार्यशाला में अपने सत्र के दौरान श्री वी. एस. जाडौन, प्रधान निदेशक एवं सीएजी के सचिव

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री राज कुमार-I, प्रधान महालेखाकार; सुश्री स्मृति, प्रधान निदेशक; तथा प्रधान निदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता

कार्यशाला के सत्र के दौरान विभागाध्यक्ष एवं सुश्री कीर्ति तिवारी, डी.ए.आई. (पूर्वी क्षेत्र)

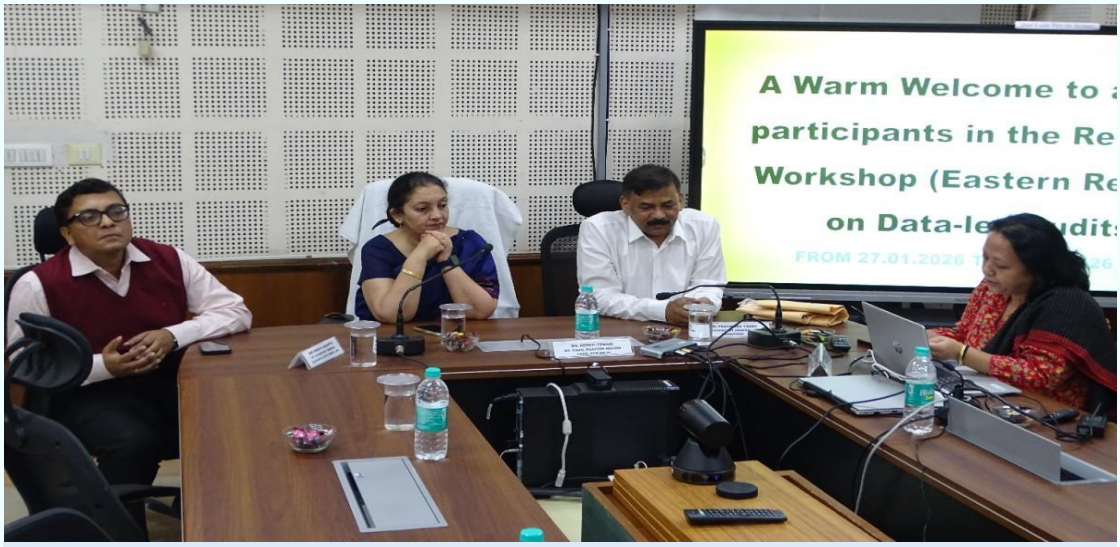


कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सुश्री कीर्ति तिवारी, डी.ए.आई. (पूर्वी क्षेत्र); श्री प्रवींद्र यादव, प्रधान महालेखाकार; श्री अनिंद्य दासगुप्ता, प्रधान महालेखाकार; तथा प्रधान निदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता

**डेटा-आधारित लेखापरीक्षा पर कार्यशाला**

## जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों में लेखापरीक्षकों की क्षमताओं को सुदृढ़ करने के प्रयासों के क्रम में, क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान ने 09 मार्च से 13 मार्च 2026 तक आरआरएससी-पूर्व, कोलकाता में रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस के माध्यम से लेखापरीक्षा विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम में रिमोट सेंसिंग की मूलभूत अवधारणाएँ, अर्थ अवलोकन डेटा का परिचय, भौगोलिक सूचना प्रणाली के मूल सिद्धांत, भुवन एवं भूनिधि पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, लेखापरीक्षा संबंधी केस स्टडी तथा लेखापरीक्षा में भू-स्थानिक उपकरणों के व्यावहारिक अनुप्रयोग जैसे प्रमुख विषय शामिल थे। इस कार्यक्रम को 9.09 (10 के पैमाने पर) की समग्र रेटिंग प्राप्त हुई, जो इसकी प्रभावशीलता और सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है।

आरआरएससी-ईस्ट, कोलकाता के श्री ए. ओ. वर्गीस, उप महाप्रबंधक; आरआरएससी-ईस्ट के अधिकारीगण; और श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई, कोलकाता, प्रतिभागियों के साथ

भौगोलिक सूचना प्रणाली स्थानिक डेटा के संग्रहण, संगठन, विश्लेषण एवं दृश्यांकन के लिए एक डिजिटल उपकरण है। यह उपयोगकर्ताओं को लेयर्ड मैप्स एवं इंटरैक्टिव दृश्य प्रस्तुतियों के माध्यम से भौगोलिक सूचनाओं को संकलित एवं प्रदर्शित करने में सक्षम बनाती है, जिससे प्रतिरूपों की पहचान तथा सूचित निर्णय लेने में सहायता मिलती है। सार्वजनिक लेखापरीक्षा में, सामाजिक बुनियादी ढांचे, पर्यावरण लेखापरीक्षा, जल संसाधन और भूमि उपयोग जैसे क्षेत्रों में जीआईएस का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। ISSAI 5540 जैसे मानक भी इसके महत्व पर विशेष बल देते हैं, विशेषकर आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों से संबंधित लेखापरीक्षाओं में।

सुश्री निर्मलामती माइस्नाम, प्रधान निदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता; श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई, कोलकाता; और आरआरएससी-ईस्ट, कोलकाता के अधिकारीगण प्रतिभागियों के साथ

## उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम।

महानिदेशक (एनईआर) के अनुरोध पर, विशेष रूप से उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के प्रतिभागियों के लिए 5 से 9 जनवरी 2026 तक **"उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा"** शीर्षक से एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम को अत्यंत सराहना मिली और इसे 9.29 (10 के पैमाने पर) की समग्र रेटिंग प्राप्त हुई।

सुश्री निर्मलामती माइस्नाम, प्रधान निदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता और श्री ए.ओ.वर्गीस, उप महाप्रबंधक, आरआरएससी-पूर्व कोलकाता प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

जीआईएस प्रशिक्षण की झलकियाँ

सुश्री निर्मलामती माइस्नाम, प्रधान निदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता तथा श्री ए. ओ. वर्गीज, उप महाप्रबंधक, आरआरएससी-पूर्व, कोलकाता, आरसीबीकेआई एवं आरआरएससी-पूर्व के अधिकारियों तथा प्रतिभागियों के साथ

## "परिवहन क्षेत्र: बढ़ते रुझानो, वित्तीय प्रबंधन और लेखापरीक्षा परिप्रेक्ष्य" पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान ने भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (आईसीएआई) की पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद (ईआईआरसी) के सहयोग से 23-25 फरवरी 2026 तक "परिवहन क्षेत्र: बढ़ते रुझानो, वित्तीय प्रबंधन और लेखापरीक्षा परिप्रेक्ष्य" पर एक अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर से अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में परिवहन क्षेत्र से संबंधित समकालीन विषयों की विस्तृत श्रृंखला को शामिल किया गया, जिसमें परिवहन अवसंरचना की संरचना और वित्तपोषण, वित्तीय विशेषताओं और ऑडिट संवेदनशीलता पर केंद्रित परिवहन में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी), अवसंरचना परियोजनाओं का वित्तपोषण तथा परिवहन क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों में लेखांकन एवं प्रतिवेदन पद्धतियाँ शामिल थीं। सत्रों में परिवहन परियोजनाओं में प्रयुक्त मूल्यांकन विधियों, आंतरिक नियंत्रण एवं जोखिम क्षेत्रों, प्रकटीकरण एवं अनुपालन आवश्यकताओं, तथा लेखापरीक्षा में डेटा विश्लेषण एवं प्रौद्योगिकी उपकरणों के उपयोग पर भी चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, अवसंरचना लेखापरीक्षा में व्यावसायिक नैतिकता एवं पर्यवेक्षण से संबंधित विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सत्रों का संचालन आईसीएआई-ईआईआरसी के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा किया गया, जिन्होंने उद्योग संबंधी महत्वपूर्ण अनुभव एवं दृष्टिकोण साझा किए, जबकि विभागीय संकाय सदस्यों ने ऑडिट केस स्टडीज और ऑडिट में आईटी (आईटी) उपकरणों के उपयोग के प्रदर्शन के माध्यम से अपना योगदान दिया। कार्यक्रम में केस-आधारित चर्चाएं भी शामिल की गईं, जिससे प्रतिभागियों को वास्तविक लेखापरीक्षा परिदृश्यों की बेहतर समझ प्राप्त हुई।

इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहा गया और इसे 10 में से 9.32 की कुल रेटिंग प्राप्त हुई, जो इसकी प्रभावशीलता और प्रासंगिकता को दर्शाती है।

सुश्री निर्मलामती माइस्नाम, प्रधान निदेशक, आरसीबीकेआई, कोलकाता ने आईसीएआई-ईआईआरसी, कोलकाता के अध्यक्ष और संकाय सदस्यों के साथ प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित किया।

अपने सत्रों के दौरान संकाय सदस्य

## सी.एम.आई.-फ्लाई प्रोफेशनल एवं सीनियर प्रोफेशनल कार्यक्रम

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान ने कॉम्पिटिटिवनेस माइंडसेट इंस्टीट्यूट (सीएमआई) के सहयोग से 3–6 फरवरी 2026 तक वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारियों/लेखा अधिकारियों और सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों/सहायक लेखा अधिकारियों के लिए फ्लाई (फाइन्ड द लीडर इन यू) प्रोफेशनल कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संरचित एवं सहभागितापूर्ण शिक्षण पद्धतियों के माध्यम से व्यवहारगत दक्षताओं तथा नेतृत्व गुणों का विकास करना था।

सत्रों में क्रॉस-कटिंग अवधारणाएँ, पहल करना, नवाचारशीलता, दृढ़ता, कर्तव्यनिष्ठा तथा समस्या-समाधान जैसे प्रमुख विषयों को शामिल किया गया, जिनका उद्देश्य व्यावसायिक प्रभावशीलता एवं निर्णय-निर्माण क्षमता को सुदृढ़ करना था। इस कार्यक्रम का संचालन सीएमआई के संस्थापक श्री शेखर हार्डीकर और अकाउंट मैनेजर एवं फैसिलिटेटर सुश्री अनुलिमा चटर्जी द्वारा किया गया, जिन्होंने प्रतिभागियों के लिए सहभागितापूर्ण एवं गतिविधि-आधारित सत्रों का संचालन किया।

इसके उपरांत, विभागाध्यक्षों एवं समूह अधिकारियों के लिए 7 फरवरी 2026 को एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। श्री शेखर हार्डीकर तथा प्रोफेसर सुश्री दीपा संघवी के नेतृत्व में आयोजित इस सत्र में मानदंड निर्धारण और सोक्रेटिक सेमिनार जैसे अतिरिक्त विषयों को शामिल किया गया, जिसने नेतृत्व संबंधी दृष्टिकोण एवं सहयोगात्मक शिक्षण को और अधिक समृद्ध बनाया।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

प्रतिभागियों द्वारा इस कार्यक्रम को बहुत सराहा गया और इसके व्यावहारिक दृष्टिकोण तथा नेतृत्व विकास पर केंद्रित विषयवस्तु की विशेष प्रशंसा की गई ।

फ्लाई-प्रो प्रशिक्षण की झलकियाँ

सीनियर फ्लाई-प्रो प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ

सीनियर फ्लाई-प्रो प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान विभागाध्यक्ष एवं समूह अधिकारी

## पर्यवेक्षकों एवं सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान द्वारा 12 फरवरी से 26 मार्च 2026 तक उपयोगकर्ता कार्यालयों के अधिकारियों के लिए एक व्यापक अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। छह सप्ताह के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को विभाग की कार्यप्रणाली, प्रमुख नियमों एवं विनियमों, लेखापरीक्षा प्रक्रियाओं तथा टिप्पण एवं प्रारूपण के मूलभूत सिद्धांतों से परिचित कराना था।

पाठ्यक्रम में तकनीकी ज्ञान एवं व्यावसायिक विकास के समन्वय के साथ संतुलित दृष्टिकोण अपनाया गया। सत्रों में सुशासन एवं पारदर्शिता, वित्तीय शक्तियों का प्रत्यायोजन, बजट के संवैधानिक पहलू, सी.ए.जी. संगठन में नैतिक मानदंड, कराधान की अवधारणाएँ, राजभाषा (हिन्दी) तथा जेंडर सेंसिटाइजेशन जैसे विविध विषयों को शामिल किया गया। साथ ही, संगठनात्मक संस्कृति, समस्या-समाधान तकनीक, करियर प्रगति और उन्नत एमएस एक्सेल कौशल पर भी विशेष बल दिया गया।

प्रशिक्षण में व्यावहारिक शिक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया। प्रतिभागियों को नियमित लेखापरीक्षा कार्यों में प्रयुक्त विभिन्न आईटी उपकरणों एवं अनुप्रयोगों जैसे एमएस वर्ड, एमएस एक्सेल, IDEA, KNIME तथा Tableau, के साथ-साथ लेखापरीक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते अनुप्रयोगों एवं आईटी लेखापरीक्षा की आधारभूत पद्धतियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, लेखापरीक्षित संस्थाओं के साथ व्यावसायिक संवाद को सुदृढ़ करने हेतु संचार एवं पारस्परिक कौशल के विकास पर भी समान रूप से बल दिया गया।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
Dedicated to Truth in Public Interest

इस कार्यक्रम में देश भर के विशेषज्ञों, स्थानीय संसाधन व्यक्तियों तथा आंतरिक प्रशिक्षकों से युक्त विविध संकाय की विशेषज्ञता का लाभ प्राप्त हुआ, जिससे प्रतिभागियों को समृद्ध एवं संतुलित शिक्षण अनुभव प्राप्त हुआ। प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत एवं समूह प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने ज्ञान और शिक्षण का प्रदर्शन किया।

अनुभवात्मक शिक्षण के अंतर्गत प्रतिभागियों ने खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान संग्रहालय, कोलकाता का दौरा किया, जहाँ उन्होंने खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष विज्ञान और संबंधित क्षेत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त की। यात्रा के दौरान, संग्रहालय के विद्वानों और अधिकारियों ने प्रदर्शनियों को देखने और इन विषयों के तकनीकी पहलुओं को समझने में उनका मार्गदर्शन किया, जिससे

यह अनुभव ज्ञानवर्धक एवं रोचक बना। इस कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा खूब सराहा गया एवं इसकी व्यापक प्रशंसा की गई।

अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन के दौरान श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी, आरसीबीकेआई, कोलकाता

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

श्री सतीश एम., वरिष्ठ उप महालेखाकार, कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II), पश्चिम बंगाल, कोलकाता अपने सत्र के दौरान

श्री देवब्रत सेनगुप्ता, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, कोलकाता अपने सत्र के दौरान

अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान संग्रहालय, कोलकाता की फील्ड विजिट के दौरान

अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागी खेल एवं सांस्कृतिक सत्रों के दौरान विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए

अभिविन्यास प्रशिक्षण बैच के लिए खगोल विज्ञान और अंतरिक्ष विज्ञान संग्रहालय, कोलकाता की एक दिवसीय यात्रा की कुछ झलकियाँ

## नाइम (KNIME) एवं टैब्लो (TABLEAU) का उपयोग करते हुए डेटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान ने *12-16* जनवरी *2026* तक KNIME और Tableau का उपयोग करते हुए डेटा एनालिटिक्स पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

डेटा एनालिटिक्स–सार्थक जानकारी प्राप्त करने, रुझानों की पहचान करने और सूचित निर्णय लेने में सहायता के लिए बड़े डेटासेट का व्यवस्थित परीक्षण–आधुनिक ऑडिटिंग का एक अनिवार्य घटक बन गया है। इसका अनुप्रयोग लेखापरीक्षकों को विसंगतियों का पता लगाने, जोखिमों का आकलन करने और ऑडिट प्रक्रियाओं की सटीकता एवं दक्षता बढ़ाने में सक्षम बनाता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ उद्घाटन सत्र के साथ हुआ, जिसके पश्चात् डेटाबेस की मूलभूत अवधारणाओं का परिचय दिया गया। पाँच दिवसीय कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को डेटा विश्लेषण की आधारभूत अवधारणाओं, विभिन्न प्रकार के डेटा तथा विश्लेषण के प्रकारों सहित विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला से अवगत कराया गया। व्यावहारिक सत्रों में KNIME पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें वर्कफ़्लो निर्माण, नोड की कार्यप्रणालियाँ, ETL संचालन तथा सांख्यिकीय विश्लेषण को शामिल किया गया। Tableau पर प्रशिक्षण के अंतर्गत डेटा क्लीनिंग और तैयारी, बुनियादी एवं उन्नत चार्ट का निर्माण, डेटा विश्लेषण और व्यावहारिक केस स्टडीज शामिल थे।

सत्रों का संचालन बाह्य विशेषज्ञों एवं आंतरिक संकाय सदस्यों के संयुक्त प्रयास से किया गया, जिससे सैद्धांतिक ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव का संतुलित समन्वय सुनिश्चित हुआ। कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहा गया तथा उन्होंने शिक्षण उद्देश्यों की प्राप्ति पर संतोष व्यक्त किया। कार्यक्रम को 10 अंकों के पैमाने पर कुल 9.43 की रेटिंग प्राप्त हुई, जो इसकी प्रभावशीलता एवं प्रासंगिकता को दर्शाती है।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
Dedicated to Truth in Public Interest

## डेटाबेस अवधारणाओं एवं एसक्यूएल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान ने 16-20 फरवरी 2026 तक डेटाबेस अवधारणाओं एवं एसक्यूएल पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों की डेटाबेस प्रबंधन तथा लेखापरीक्षा में उसके अनुप्रयोग संबंधी समझ को सुदृढ़ करना था।

इस कार्यक्रम में डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (डीबीएमएस) और रिलेशनल डेटाबेस प्रबंधन प्रणाली (आरडीबीएमएस) की मूलभूत अवधारणाओं के साथ-साथ ओरेकल डेटाबेस सर्वर तथा उसके विभिन्न ऑब्जेक्ट प्रकारों का परिचय भी प्रदान किया गया । प्रतिभागियों को स्ट्रक्चर्ड क्वेरी लैंग्वेज (एसक्यूएल) से परिचित कराया गया, जिसमें टेबल बनाने और संबंधित डेटाबेस संचालन शामिल थे। इसके अलावा, डेटा संग्रहण एवं डेटाबेस प्रशासन जैसे डेटाबेस प्रबंधन के प्रमुख पहलुओं पर भी प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

व्यावहारिक शिक्षण पर विशेष बल दिया गया, जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों को व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से एसक्यूएल क्वेरी एवं डेटाबेस अवधारणाओं को वास्तविक परिस्थितियों में लागू करने का अवसर प्रदान किया गया। समर्पित व्यावहारिक अभ्यासों एवं शंका-समाधान सत्रों ने डेटा को प्रभावी ढंग से संभालने में उनकी समझ और आत्मविश्वास को और सुदृढ़ किया।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सत्रों का संचालन आंतरिक संकाय सदस्यों एवं बाह्य विशेषज्ञों के संयुक्त प्रयास से किया गया, जिससे सैद्धांतिक ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव का संतुलित समन्वय सुनिश्चित हुआ। कार्यक्रम को प्रतिभागियों द्वारा अत्यंत सराहा गया तथा इसे 10 में से 9.22 की समग्र रेटिंग प्राप्त हुई।

आरसीबीकेआई, कोलकाता की प्रधान निदेशक, संकाय सदस्यों एवं आंतरिक संकाय सदस्यों के साथ "डेटाबेस अवधारणाओं एवं एसक्यूएल" प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

श्री सुजय बनर्जी, KNIME एवं Tableau के माध्यम से डेटा विश्लेषण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रतिभागियों के साथ

## भारतीय लेखा मानकों पर सहयोगात्मक संगोष्ठी।

क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान ने भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान की पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद के सहयोग से 12-16 जनवरी 2026 तक भारतीय लेखा मानकों पर एक सहयोगात्मक संगोष्ठी का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को समकालीन लेखांकन मानकों तथा उनके लेखापरीक्षा में अनुप्रयोग संबंधी समझ को सुदृढ़ करने हेतु एक साझा मंच प्रदान किया।

संगोष्ठी में भारतीय लेखांकन मानक (इंड-एएस) ढांचे के प्रमुख पहलुओं को शामिल किया गया, जिनमें भारत में आईएफआरएस अभिसरण, वैचारिक रूपरेखा तथा Ind-AS के अंतर्गत वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति शामिल थी। इस संदर्भ में Ind-AS 1, 8, 10, 16, 23, 115 एवं 116 सहित अन्य प्रासंगिक मानकों पर विशेष चर्चा की गई। इसके अलावा, सहयोगी संस्थाओं, संयुक्त उपक्रमों तथा संबंधित पक्षों के लेखांकन जैसे महत्वपूर्ण विषयों को भी सम्मिलित किया गया।

इन सत्रों का संचालन आईसीएआई-ईआईआरसी के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स और विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा किया गया, जिसमें व्यावसायिक विशेषज्ञता और व्यावहारिक ऑडिट दृष्टिकोण का समन्वय देखने को मिला। विशेष रूप से राज्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से संबंधित अध्ययन-प्रकरण चर्चाओं तथा समर्पित शंका-समाधान सत्रों ने प्रतिभागियों की जटिल लेखांकन विषयों संबंधी समझ को और सुदृढ़ बनाया।

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
Dedicated to Truth in Public Interest

प्रतिभागियों द्वारा इस कार्यक्रम को बहुत सराहना मिली और इसे 10 में से 9.21 की समग्र रेटिंग प्राप्त हुई, जो इसकी प्रभावशीलता और प्रासंगिकता को दर्शाता है।

भारतीय लेखांकन मानकों पर आयोजित सहयोगात्मक संगोष्ठी की कुछ झलकियाँ

भारतीय लेखांकन मानकों पर आयोजित सहयोगात्मक संगोष्ठी की कुछ झलकियाँ

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

# जनवरी से मार्च 2026 की तिमाही के दौरान आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

| सामान्य पाठ्यक्रम | से | तक |
|---|---|---|
| भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम | 05-01-2026 | 09-01-2026 |
| भारतीय लेखा मानकों पर सहयोगात्मक संगोष्ठी | 12-01-2026 | 16-01-2026 |
| फ्लाई प्रोफेशनल प्रशिक्षण कार्यक्रम | 03-02-2026 | 06-02-2026 |
| फ्लाई सीनियर प्रोफेशनल | 07-02-2026 | 07-02-2026 |
| ऑडिट डिजाइन मैट्रिक्स पर कार्यशाला | 11-02-2026 | 13-02-2026 |
| पर्यवेक्षकों और पदोन्नत सहायक लेखापरीक्षा अधिकारियों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण | 12-02-2026 | 26-03-2026 |
| आईसीएआई-ईआईआरसी के सहयोग से "परिवहन क्षेत्र: बढ़ते रुझानों, वित्तीय प्रबंधन एवं लेखापरीक्षा दृष्टिकोण" पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 23-02-2026 | 25-02-2026 |
| जीआईएस प्रौद्योगिकी के माध्यम से लेखापरीक्षा पर अखिल भारतीय प्रशिक्षण कार्यक्रम | 09-03-2026 | 13-03-2026 |
| सार्वजनिक निजी भागीदारी की लेखापरीक्षा | 16-03-2026 | 19-03-2026 |
| लेखापरीक्षा विनियम, लेखापरीक्षा योजना, लेखापरीक्षा साक्ष्य, लेखापरीक्षा रिपोर्टिंग और सांख्यिकीय नमूनाकरण | 24-03-2026 | 26-03-2026 |

Dedicated to Truth in Public Interest

| आईएस/आईटी पाठ्यक्रम | से | तक |
|---|---|---|
| KNIME और Tableau के माध्यम से डेटा एनालिटिक्स | 12-01-2026 | 16-01-2026 |
| डेटाबेस अवधारणाएँ एवं एसक्यूएल | 16-02-2026 | 20-02-2026 |
| KNIME और Tableau के माध्यम से डेटा एनालिटिक्स | 09-03-2026 | 13-03-2026 |

## उपयोगकर्ता कार्यालयों की ओर से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा इन-हाउस प्रशिक्षण/बैठकों के संचालन के लिए उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराया गया।

आरसीबीकेआई,कोलकाता में दो आईटी लैब और एक सम्मेलन कक्ष है। संस्थान उपयोगकर्ता कार्यालयों को बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता करता है। जनवरी से मार्च 2026 की अवधि के दौरान आरसीबीकेआई, कोलकाता की सुविधा से निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

| क्रम सं. | प्रशिक्षण कार्यक्रम का नाम | अवधि | उपयोगकर्ता कार्यालय का नाम |
|---|---|---|---|
| 1 | सार्वजनिक खरीद पर iGOT के 5 पाठ्यक्रमों के अंतर्गत शामिल विषयों पर परीक्षण | 02.01.2026 | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा–II), पश्चिम बंगाल |
| 2 | KNIME के उन्नत विषयों पर इन-हाउस प्रशिक्षण। | 06.01.2026 | |
| 3 | तृतीय राज्य लेखापरीक्षा सलाहकार बोर्ड, पश्चिम बंगाल। | 13.03.2026 | |

## एसटीएम/केस स्टडीज/शोध पत्र और अन्य संबद्ध गतिविधियाँ।

Dedicated to Truth in Public Interest

तकनीकी मार्गदर्शन एवं सहायता पर एसटीएम मार्च 2026 में मुख्यालय को प्रस्तुत किया गया। स्वच्छता एवं जल निकासी में पंचायती राज संस्थाओं (PRIs) की भूमिका पर शोध पत्र भी मार्च 2026 में अनुमोदन हेतु मुख्यालय को भेजा गया।

## उपयोगकर्ता कार्यालयों तथा भा.ले.व.ले.वि के बाह्य कार्यालयों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया

## (ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम)

| | संकाय का नाम | कार्यालय का नाम | विषय | दिनांक | सत्रों की संख्या |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) पश्चिम बंगाल | कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013) | 23.03.2026 | 2 |
| | | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (ले.व.ह,) पश्चिम बंगाल | कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013)। | 24.03.2026 | 2 |
| 2 | श्री चंदन कुमार, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी | शाखा कार्यालय : महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय), लखनऊ का पटना स्थित कार्यालय | सीएजी कनेक्ट पोर्टल पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण | 14.01.2026 | 1 |
| | | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा), बिहार | सीएजी कनेक्ट पोर्टल पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण | 14.01.2026 | 1 |
| | | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-II) पश्चिम बंगाल | सीएजी कनेक्ट पोर्टल पर पुनश्चर्या प्रशिक्षण। | 15.01.2026 | 1 |
| 3. | सुश्री पुनम मालपानी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी | कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (वित्त एवं संचार), कोलकाता (ऑनलाइन) | अवकाश संबंधी मुद्दे | 07-01-2026 | 1 |
| | | कार्यालय प्रधान महालेखाकार | संदेह निवारण सत्र | 12.01.2026 | 1 |

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | | (ले.व.ह,) पश्चिम बंगाल (ऑनलाइन) | | | |
| | | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (ले.व.ह,) पश्चिम बंगाल (ऑनलाइन) | संदेह निवारण सत्र | 25-02-2026 | 1 |
| | | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल, स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग (ऑनलाइन) | संदेह निवारण सत्र | 07-01-2026 | 1 |
| | | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखा परीक्षा-I), पश्चिम बंगाल, स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग (ऑनलाइन) | संदेह निवारण सत्र | 09-01-2026 | 1 |
| | | कार्यालय प्रधान महालेखाकार (लेखापरीक्षा-I), पश्चिम बंगाल, स्थानीय लेखापरीक्षा विभाग (ऑनलाइन) | अवकाश संबंधी मुद्दे | 02-03-2026 | 1 |
| | | वरिष्ठ लेखा अधिकारी, रक्षा सेवाएँ, कोलकाता शाखा | आईपीआर संबंधी मुद्दे | 6-02-2026 | 1 |
| | | कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा, आरपीयू और एमआर बर्दवान शाखा (ऑनलाइन) | संदेह निवारण सत्र | 23-03-2026 | 1 |

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| | श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी | कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, सीई,ईएसडी, कोलकाता शाखा(ऑनलाइन) | कैलेंडर और अवकाश प्रबंधन | 15.01.2026 | 1 |
| | | कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, (कोयला), कोलकाता (ऑनलाइन) | कैलेंडर और अवकाश प्रबंधन | 16.01.2026 | 1 |
| | | कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (आयुध निर्माणी), कोलकाता (ऑनलाइन) | प्रतिपूर्ति और कार्यप्रवाह प्रबंधन | 10.02.2026 | 1 |
| | | कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा केन्द्रीय, कोलकाता (ऑनलाइन) | प्रतिपूर्ति और कार्यप्रवाह प्रबंधन | 16.02.2026 | 1 |
| | | कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केंद्रीय), कोलकाता, शाखा-पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह (ऑनलाइन) | प्रतिपूर्ति और कार्यप्रवाह प्रबंधन | 18.02.2026 | 1 |
| | | कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा, सीई, ईएसडी, कोलकाता (ऑनलाइन) | कैलेंडर और अवकाश प्रबंधन | 02.03.2026 | 1 |

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
सार्वजनिक हितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

## इस संस्थान में प्रशिक्षण प्रदान करने वाले संकाय सदस्य (भा.ले.व.ले.वि के अंतर्गत)

श्री सतीश.एम., उप महालेखाकार

श्री वानी श्रीराज मधुकर, उप महालेखाकार

श्री अल्तमश गाज़ी, उप महालेखाकार

श्री देबाशीष चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री राणा देब, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुशोभन चटर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री संदेश कुमार नगोतिया, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री विनय कुमार, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री शैलेंद्र चौधरी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुभाशीष घोष, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री उज्ज्वल बख्शी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री अरिजीत सिन्हा, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री प्रोसेनजीत सेन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

सुश्री मधु माधवी तिर्की, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सिबी जॉन, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री बिमल कुमार पाठक, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री गौरव कुमार ओमी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी

श्री तन्मय लस्कर, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

सुश्री अनिंदिता हांसदा, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री अमित कौरी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री अंकित अरोड़ा, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री रोहन चक्रवर्ती, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री शुभंकर मंडल, सहायक लेखा अधिकारी

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

## द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की पूर्वी भारत क्षेत्रीय परिषद (ईआईआरसी) के संकाय सदस्य

श्री सीए तन्मय चटर्जी, ईआईआरसी-आईसीएआई

श्री सीए मनीष गादिया, ईआईआरसी-आईसीएआई

श्री सीए श्रेयश बेगवानी, ईआईआरसी-आईसीएआई

सीए प्रियंका गथानी, ईआईआरसी-आईसीएआई

सीए अमितेश अग्रवाल, ईआईआरसी-आईसीएआई

सीए पवन अग्रवाल, ईआईआरसी-आईसीएआई

**कॉम्पिटिटिवनेस माइंडसेट इंस्टीट्यूट के संकाय सदस्य**

श्री शेखर हार्डीकर, संस्थापक
सुश्री अनुरीमा चटर्जी, संकाय
सुश्री दीपा संघवी, संकाय

**क्षेत्रीय सुदूर संवेदन केंद्र-पूर्व, कोलकाता (एनआरएससी, इसरो) के संकाय सदस्य**

डॉ. आरती पॉल, वैज्ञानिक/इंजीनियर
डॉ. अरिंदम गुहा, वैज्ञानिक/इंजीनियर
डॉ. राजदीप रॉय, वैज्ञानिक/इंजीनियर
डॉ. नीलाद्रि दास, वैज्ञानिक/अभियंता
डॉ. नीरज प्रियदर्शी, वैज्ञानिक/इंजीनियर
डॉ. तनुमी कुमार, वैज्ञानिक/इंजीनियर
डॉ. प्रबीर कुमार दास, वैज्ञानिक/इंजीनियर
सुश्री निवेदिता सिन्हा, तकनीकी अधिकारी-सी
सुश्री नीथू चाको, वैज्ञानिक/इंजीनियर
सुश्री शर्मिष्ठा बी. पांडे, वैज्ञानिक एसई एवं सिस्टम मैनेजर
श्री मैनुद्दीन सहनवाज़

**अन्य केंद्र/राज्य सरकारी संगठनों के वे संकाय सदस्य जिन्होंने प्रशिक्षण प्रदान किया।**

श्री देवव्रत सेनगुप्ता, उप महाप्रबंधक, भारतीय रिज़र्व बैंक
श्री अनिल शुक्ला, विशेष सचिव, वित्त विभाग, पश्चिम बंगाल

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

**प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रोफ़ेसर/वैज्ञानिक**

डॉ. दीपा मित्रा,एसोसिएट प्रोफेसर, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल वेलफेयर एंड बिजनेस मैनेजमेंट

**प्रशिक्षण प्रदान करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट संकाय सदस्य**

श्री अरिजीत चक्रवर्ती, चार्टर्ड अकाउंटेंट
श्री श्रेणिक मेहता, चार्टर्ड अकाउंटेंट
श्री रोशन बजाज, चार्टर्ड अकाउंटेंट
श्री कृष्णु भट्टाचार्य, चार्टर्ड अकाउंटेंट
श्री गौरब बर्धन, चार्टर्ड अकाउंटेंट
श्री सुनील सिंघी, चार्टर्ड अकाउंटेंट

**प्रशिक्षण प्रदान करने वाले भा.ले.व.ले.वि तथा अन्य सरकारी विभागों के सेवानिवृत्त अधिकारी**

श्री विकास कुमार महांति, सेवानिवृत्त वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुब्रत मित्रा, सहायक आयुक्त (सेवानिवृत्त), जीएसटी, कोलकाता सर्कल एवं पूर्व संकाय सदस्य, नासिन, कोलकाता

**फ्रीलांस/ विशेषज्ञ संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया**

श्री हेमंत कुमार पाल, आईटी विशेषज्ञ
श्री अनिमेष देब रॉय, विशेषज्ञ संकाय
श्री मनीष शर्मा, सलाहकार, कैलिक्स
श्री अतुल कुमार सिंह, सलाहकार एवं परामर्शदाता, सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी, इमामी लिमिटेड

**इन-हाउस संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया**

श्री रंजन दास, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुजय बनर्जी, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री उज्ज्वल बोस, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री दीपक कुमार सिंह, वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी

सुश्री परिजात सैकिया, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुभशिष बंदोपाध्याय, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री राजीव कुमार साहु, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री अरुणांग्शु मुखर्जी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सौरभ घोष, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सुदीप्त हालदार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री चंदन कुमार, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सनी पासी, सहायक लेखापरीक्षा अधिकारी

श्री सोनु कुमार साव, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

## प्रश्नोत्तरी

**1. कलकत्ता उच्च न्यायालय की स्थापना कब हुई थी?:**

क. 1857

ख. 1861

ग. 1862

घ. 1872

**2. राजभाषा हिन्दी किस लिपि में लिखी जाती है?**

क. रोमन

ख. देवनागरी

ग. गुरुमुखी

घ. फ़ारसी

**3. टैब्लू (Tableau) का मुख्य रूप से उपयोग किसके लिए किया जाता है?:**

क. कोडिंग

ख. डेटा विज़ुअलाइज़ेशन

ग. डेटाबेस तैयार करने

घ. नेटवर्किंग

**4. जीआईएस डेटा संग्रहित करने के लिए निम्नलिखित में से किसका सामान्यतः उपयोग किया जाता है?**

क. सैटेलाइट इमेजरी

ख. टाइपराइटर

ग. प्रिंटर

घ. कैलकुलेटर

**5. अवसंरचना परियोजनाओं में PPP का पूर्ण रूप क्या है?**

क. पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप

ख. पब्लिक प्रोजेक्ट प्लान

ग. प्राइवेट पब्लिक पॉलिसी

घ. प्रोजेक्ट प्लानिंग प्रोसेस

**6. एक प्रभावी नेता का प्रमुख गुण क्या है?**

क. जिम्मेदारी से बचना

ख. स्पष्ट दृष्टि और दिशा होना

ग. अकेले कार्य करना

घ. प्रतिक्रिया की उपेक्षा करना

**7. SQL का पूर्ण रूप क्या है?**

क. स्ट्रक्चर्ड क्वेरी लैंग्वेज

ख. सिंपल क्वेरी लैंग्वेज

ग. स्टैंडर्ड क्वेश्चन लैंग्वेज

घ. सीक्वेंशियल क्वेरी लैंग्वेज

**8. GIS में रिमोट सेंसिंग का तात्पर्य है?**

क. मैनुअल फील्ड सर्वेक्षण करना

ख. पृथ्वी की सतह के बारे में बिना प्रत्यक्ष भौतिक संपर्क के डेटा एकत्र करना

ग. कंप्यूटर प्रणाली में डेटा दर्ज करना

घ. विश्लेषण के लिए मानचित्र प्रिंट करना

**9. परिवहन अवसंरचना का निम्नलिखित में से कौन-सा एक घटक है?**

क. अस्पताल

ख. राजमार्ग

ग. विद्यालय

घ. बैंक

**10. Ind-AS 1 किससे संबंधित है?**

क. भंडार (इन्वेंटरी)

ख. वित्तीय साधन

ग. वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति

घ. राजस्व मान्यता

उत्तर पृष्ठ संख्या 38 पर दिया गया हैं

**<u>प्रश्नोत्तरी के उत्तर</u>**

| | |
|---|---|
| 1. ग | 6. ख |
| 2. ख | 7. क |
| 3. ख | 8. ख |
| 4. क | 9. ख |
| 5. क | 10. ग |

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA
लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

SUPREME AUDIT INSTITUTION OF INDIA

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा

Dedicated to Truth in Public Interest

## क्षेत्रीय क्षमता निर्माण एवं ज्ञान संस्थान, कोलकाता

तीसरा एमएसओ बिल्डिंग, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, 5वीं मंजिल (ए विंग),डीएफ ब्लॉक,
सॉल्ट लेक, सेक्टर - I, कोलकाता - 700064

दूरभाष नंबर. 033- 23213907/6708

ईमेल: rtikolkata@cag.gov.in